Code No. **29/2/1**
कोड नं.

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ 4 हैं।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में 13 प्रश्न हैं।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।

हिन्दी (वैकल्पिक)
HINDI (Elective)

निर्धारित समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

Time allowed : 3 hours *Maximum Marks : 100*

1. निम्नलिखित काव्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 7, 7

(क) मोहिं मूढ़ मन बहुत बिगोयो ।
याके लिए सुनहु करुनामय, मैं जग जनमि-जनमि दुख रोयो ।।
सीतल मधुर पीयूष सहज सुख, निकटहिं रहत, दूर जनु खोयो ।।
बहु भाँतिन स्रम करत मोह बस, वृथहिं मंदमति वारि बिलोयो ।।
करम-कीच जिय, जानि, सानि चित, चाहत कुटिल मलहिमल धोयो ।।

अथवा

ततखन हार बेगि उतिराना। पावा सखिन्ह चंद बिहँसाना ।।
बिगसे कुमुद देखि ससि-रेखा। भै तहँ ओप जहाँ जोइ देखा ।।
पावा रूप रूप जस चहा। ससि-मुख जनु दरपन होइ रहा ।।
नयन जो देखा कँवल भा, निरमल नीर सरीर ।
हँसत जो देखा हँस भा, दसन जोति नग हीर ।।

(ख) आँसू कन-कन से छल-छल,
सरिता भर रही दृगंचल,
सब अपने में हैं चंचल,
छूटे जाते सूने पल,
खाली न काल का है निषंग ।

अथवा

सच्चाई की पहचान कि पानी साफ रहे
जो भी चाहे, ले परख जलाशय के तल को,
गहराई का वे भेद छिपाते हैं केवल,
जो जान-बूझ गँदला करते अपने जल को ।

2. (क) 'जन-मन के लिए' कविता के आधार पर बताइए कि प्राकृतिक आपदाओं के आने पर समाज के किस वर्ग को सबसे अधिक हानि उठानी पड़ती है और क्यों ? 2

(ख) 'खुरदरे पैर' कविता की काव्य-पंक्ति

''देर तक टकराए
उस दिन इन आँखों से वे पैर''

का आशय स्पष्ट करते हुए बताइए कि कवि को क्यों लगता है कि वह रिक्शा चालक के पैरों को भूल नहीं पाएगा। 3

3. निम्नलिखित पंक्तियों में निहित काव्य-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए : 5

उदरंभरि बन अनात्म बन गए,
भूतों की शादी में कनात-से तन गए,
किसी व्यभिचारी के बन गए बिस्तर,
दुखों के दागों को तमगों-सा पहना,
अपने ही ख्यालों में दिन-रात रहना ।

अथवा

लोचन लोल बिसाल बिलोकनि, को न बिलोकि भयो बस माई ।
वा मुख की मधुराई कहा कहो, मीठी लगे अँखियान लुनाई ।।

4. विद्यापति **अथवा** सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' के जीवन का संक्षिप्त परिचय देते हुए उनकी रचनाओं और काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 6

5. किन्हीं **दो** गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 6, 6

(क) जैसे लकड़ी चीरने की आरा मशीन के नीचे मज़दूर लकड़ी का लट्ठा खिसकाता जाता है और वह चीरता जाता है, वैसे ही मैंने विरोधियों के नाम एक-एक करके खिसकाए और वह उन्हें काटता गया। कैसा आनंद था ! दुश्मनों को रणक्षेत्र में एक के बाद एक कटकर गिरते हुए देखकर योद्धा को ऐसा ही सुख होता होगा।

(ख) घुमक्कड़-धर्म से बढ़कर दुनिया में धर्म नहीं है। घुमक्कड़ होना आदमी के लिए परम सौभाग्य की बात है। यह पंथ अपने अनुयायी को मरने के बाद किसी काल्पनिक स्वर्ग का प्रलोभन नहीं देता, इसके लिए तो कह सकते हैं — 'क्या खूब सौदा नकद है — इस हाथ ले, उस हाथ दे।'

(ग) जहाँ तक रूढ़ि है, वहाँ तक शुद्ध शक्ति नहीं है, इसलिए प्रसादजी रूढ़ियों का तिरस्कार करके एकमात्र शक्ति के ही साधक हुए। इस साधना में उनके समान सफल साहित्यकार मुझे इस युग में कोई दूसरा नहीं दिखलाई देता। अपने उद्देश्य के प्रति ऐसी एक निष्ठा मैंने किसी आधुनिक कलाकार में नहीं देखी। इसे आप बनारसी रंग कहें या काशी की महिमा कहें या 'प्रसादजी' की अपनी सूझ कहें, संस्कृति कहें, जो कुछ चाहे कहें।

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक उत्तर 50–60 शब्दों में होना चाहिए। 4, 4

(क) चिड़चिड़ाहट एक प्रकार की मानसिक दुर्बलता क्यों है, स्पष्ट करते हुए बताइए कि बालकों को चिड़चिड़े बुड्ढों को चिढ़ाने में आनंद क्यों आता है।

(ख) ''भगत लाठी खट-खट करता लपका चला जाता। चेतना रोकती थी, पर उपचेतना ठेलती थी। सेवक स्वामी पर हावी था।'' – लेखक का प्रस्तुत कथन भगत के चरित्र के किस पक्ष को उद्घाटित करता है ? तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए।

(ग) ''एक बार गलत-सही जो कह दिया, उसी से चिपट जाना भीषण हो सकता है, हितकर नहीं। भीष्म ने 'भीषण' को ही चुना था।'' – लेखक के इस कथन की समीक्षा कीजिए।

7. मृदुला गर्ग **अथवा** सुंदरलाल बहुगुणा के जीवन का संक्षिप्त परिचय देते हुए उनकी रचनाओं का उल्लेख कीजिए और उनकी भाषा-शैली की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 5

8. (क) '' 'ज्यों मेंहदी को रंग' **अथवा** 'निर्मला' उपन्यास के संवाद कथानक के विकास में बहुत सहायक सिद्ध हुए हैं।'' — कथन की पुष्टि उपन्यास से उदाहरण देते हुए 60–70 शब्दों में कीजिए। 5

(ख) 'ज्यों मेंहदी को रंग' उपन्यास के आधार पर शालिनी **अथवा** 'निर्मला' उपन्यास के आधार पर निर्मला की किन्हीं चार चरित्रगत विशेषताओं पर सोदाहरण प्रकाश डालिए। 4

9. किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक उत्तर 40–50 शब्दों में अपेक्षित है। 3, 3

(क) ''उपन्यास का एक उद्देश्य सामाजिक चेतना में क्रान्तिकारी बदलाव लाना भी है।'' — इस कथन के आलोक में 'ज्यों मेंहदी को रंग' **अथवा** 'निर्मला' उपन्यास पर अपने विचार प्रकट कीजिए।

(ख) '' 'ज्यों मेंहदी को रंग' **अथवा** 'निर्मला' की भाषा-शैली प्रसंगानुकूल विविधता लिए हुए है।'' इस कथन की पुष्टि उपन्यास से उदाहरण देते हुए कीजिए।

(ग) ''देश-काल और वातावरण-चित्रण की दृष्टि से 'निर्मला' **अथवा** 'ज्यों मेंहदी को रंग' एक सफल उपन्यास है।'' — कथन पर अपने विचार प्रकट कीजिए।

10. हिन्दी-साहित्य के प्रारंभिक काल को 'आदिकाल' क्यों कहा जाता है ? इस काल के साहित्य की किन्हीं चार सामान्य विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। 5

अथवा

सूफी काव्य की किन्हीं चार सामान्य विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए किन्हीं दो प्रसिद्ध कवियों का नामोल्लेख कीजिए।

11. छायावादी काव्य की चार प्रमुख प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालते हुए किन्हीं दो छायावादी कवियों के नाम लिखिए। 5

अथवा

प्रयोगवादी काव्य से क्या तात्पर्य है ? इस काव्य धारा के काव्य की चार प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

12. 'स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी कहानी' **अथवा** 'स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी निबंध' के विकास का संक्षिप्त परिचय दीजिए। 5

13. किसी **एक** विषय पर लगभग 450 शब्दों में निबन्ध लिखिए : 15

(क) जनसंख्या वृद्धि : समस्या और समाधान

(ख) नैतिक मूल्यों के विकास में शिक्षक की भूमिका

(ग) वर्तमान चुनाव प्रणाली और उसमें सुधार की आवश्यकता

(घ) करत-करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान

(ङ) राष्ट्र हित : सर्वोपरि हित